

# बालपोथी सच्चा जैव



अर्थ पाठशाला



# सच्चे जैन

प्रभुदर्शन नित करते, रात्रि भोजन तजते ।  
पियें छानकर पानी, सुने सदा जिनवाणी ॥  
कभी अभक्ष्य न खाते, जीव दया चित्त लाते ।  
सप्त व्यसन के त्यागी, संयम में अनुरागी ॥  
वस्तुस्वरूप समझते, शुद्धात्म को भजते ।  
जाग्रत प्रज्ञा छैनी, वे ही सच्चे जैनी ॥



अर्ह पाठशाला



प्रभुदर्शन नित करते।



रात्रि भोजन तजते।



पियें छानकर पानी।



सुने सदा जिनवाणी।



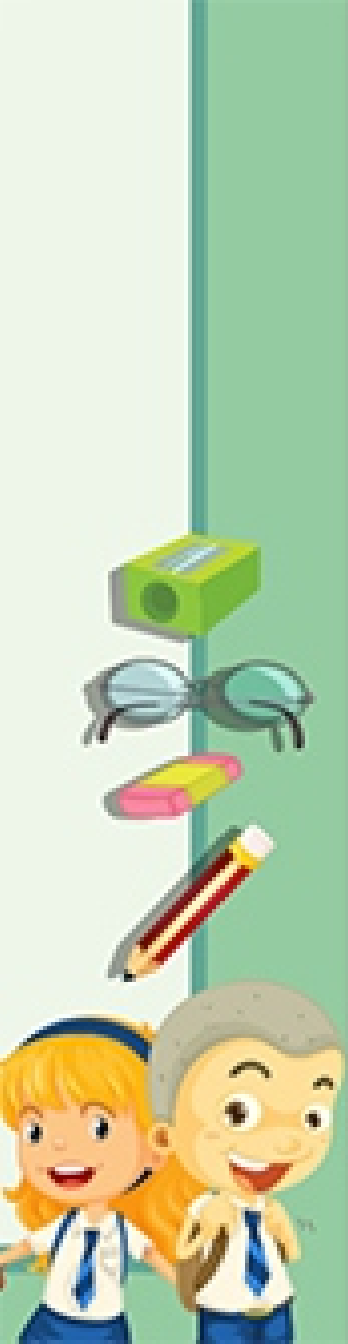
कभी अभक्ष्य न खाते, जीव दया चित्त लाते।

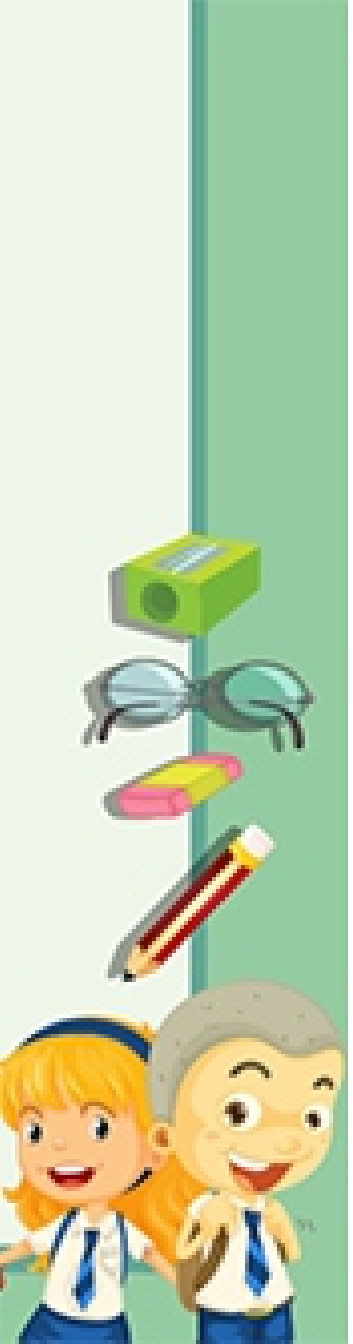


सप्त व्यसन के त्यागी



संयम में अनुरागी।





वस्तुस्वरूप समझते, शुद्धात्म को भजते ।  
जाग्रत प्रज्ञा छैनी, वे ही सच्चे जैनी ॥

# જાય ગિનંદ



અર્હ પાઠશાલા



arhampathshaala | 8058890377